

# Yogoda Satsanga Mahavidyalaya

B. Com Semester – VI (C-13) CBCS

**Subject: Auditing & Corporate Governance**

Topic: **Audit Planning**

*Ravindra Kumar, Associate Professor Department of Commerce*

---

## लेखापरीक्षा योजना

ऑडिट योजना ऑडिटिंग प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण चरण है, जहां ऑडिटर ऑडिट को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए एक व्यापक रणनीति विकसित करते हैं। उचित योजना यह सुनिश्चित करने में मदद करती है कि ऑडिट सभी आवश्यक क्षेत्रों को कवर करता है, संभावित मुद्दों की शीघ्र पहचान करता है, और ऑडिट टीम के लिए एक स्पष्ट रास्ता निर्धारित करता है। ऑडिट योजना में शामिल आवश्यक घटक और चरण यहां दिए गए हैं:

### 1. इकाई और उसके पर्यावरण को समझना

- उद्योग और व्यावसायिक वातावरण: उस उद्योग की समझ हासिल करें जिसमें इकाई संचालित होती है, जिसमें आर्थिक स्थिति, उद्योग प्रथाएं और नियामक वातावरण शामिल हैं।
- इकाई के संचालन: इकाई के संचालन, स्वामित्व संरचना और शासन को समझें। इसमें प्रमुख व्यावसायिक प्रक्रियाओं और आंतरिक नियंत्रणों की पहचान करना शामिल है।
- लेखांकन नीतियां और प्रथाएं: यह सुनिश्चित करने के लिए इकाई की लेखांकन नीतियों और प्रथाओं की समीक्षा करें कि वे लागू लेखांकन मानकों के अनुरूप हैं।

### 2. जोखिम मूल्यांकन

- जोखिमों की पहचान करें: महत्वपूर्ण जोखिमों की पहचान करें जो वित्तीय विवरणों को प्रभावित कर सकते हैं, जिसमें धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण सामग्री गलत विवरण के जोखिम भी शामिल हैं।
- जोखिमों का आकलन करें: इन जोखिमों की संभावना और संभावित प्रभाव का मूल्यांकन करें। इसमें इकाई के आंतरिक नियंत्रणों का आकलन करना और यह निर्धारित करना शामिल है कि वे जोखिमों का प्रबंधन और कम कैसे करते हैं।
- धोखाधड़ी जोखिम मूल्यांकन: विशेष रूप से धोखाधड़ी के जोखिम पर विचार करें, जिसमें इकाई के भीतर धोखाधड़ी गतिविधि के लिए प्रोत्साहन और अवसर शामिल हैं।

### 3. भौतिकता स्तर निर्धारित करना

- समग्र भौतिकता: समग्र रूप से वित्तीय विवरणों के लिए समग्र भौतिकता स्तर निर्धारित करें। भौतिकता वह सीमा है जिसके ऊपर गलत बयानी उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित कर सकती है।
- प्रदर्शन भौतिकता: प्रदर्शन भौतिकता स्तर निर्धारित करें, जो समग्र भौतिकता से कम है, ताकि इस जोखिम को कम किया जा सके कि असंशोधित और अज्ञात गलतबयानी का कुल योग समग्र भौतिकता से अधिक है।
- विशिष्ट भौतिकता: विशेष खातों या प्रकटीकरणों के लिए विशिष्ट भौतिकता स्तर स्थापित करें जो महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

### 4. लेखापरीक्षा रणनीति का विकास करना

- ऑडिट का दायरा: ऑडिट प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और सीमा सहित ऑडिट के दायरे को परिभाषित करें।
- ऑडिट दृष्टिकोण: ऑडिट दृष्टिकोण पर निर्णय लें (उदाहरण के लिए, वास्तविक परीक्षण, आंतरिक नियंत्रण पर निर्भरता, या दोनों का संयोजन)।
- विशेषज्ञों का उपयोग: निर्धारित करें कि क्या विशिष्ट ऑडिट क्षेत्रों के लिए विशेषज्ञों (जैसे, मूल्यांकन विशेषज्ञ, आईटी विशेषज्ञ) का उपयोग आवश्यक है।

### 5. लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं की योजना बनाना

- नियंत्रणों का परीक्षण: इकाई के आंतरिक नियंत्रणों की प्रभावशीलता का परीक्षण करने के लिए प्रक्रियाओं की योजना बनाएं।
- मूल प्रक्रियाएं: वित्तीय विवरणों में महत्वपूर्ण गलत विवरण का पता लगाने के लिए विवरण और विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं के परीक्षण सहित मूल प्रक्रियाओं की योजना बनाएं।
- ऑडिट कार्यक्रम: विस्तृत ऑडिट कार्यक्रम विकसित करें जो समय और जिम्मेदारी असाइनमेंट सहित निष्पादित की जाने वाली विशिष्ट ऑडिट प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार करें।

### 6. संसाधनों का आवंटन

- ऑडिट टीम: ऑडिट टीम को उनके अनुभव, कौशल और ग्राहक के ज्ञान के आधार पर उचित कर्मचारी नियुक्त करें।
- बजट बनाना: ऑडिट के प्रत्येक चरण के लिए समय और संसाधन आवंटित करें, यह सुनिश्चित करते हुए कि टीम के पास ऑडिट को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं।

- शेड्यूलिंग: प्रमुख मील के पत्थर और समय सीमा सहित ऑडिट के लिए एक विस्तृत समयरेखा विकसित करें।

## 7. संचार एवं समन्वय

- ग्राहक समन्वय: आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने और बैठकों की व्यवस्था करने सहित ऑडिट गतिविधियों के समन्वय के लिए ग्राहक के साथ संवाद करें।
- टीम समन्वय: ऑडिट टीम के भीतर प्रभावी संचार सुनिश्चित करें, जिसमें प्रगति और सामने आने वाले किसी भी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए नियमित बैठकें शामिल हों।

## 8. दस्तावेज़ीकरण और समीक्षा

- ऑडिट योजना दस्तावेज़ीकरण: ऑडिट योजना का दस्तावेज़ीकरण करें, जिसमें ऑडिट रणनीति, जोखिम मूल्यांकन, भौतिकता और नियोजित प्रक्रियाओं से संबंधित सभी निर्णय और तर्क शामिल हों।
- समीक्षा प्रक्रिया: यह सुनिश्चित करने के लिए एक समीक्षा प्रक्रिया स्थापित करें कि ऑडिट योजना के सभी पहलुओं की समीक्षा और अनुमोदन वरिष्ठ ऑडिट कर्मियों द्वारा किया जाए।

## 9. आईटी पर्यावरण पर विचार

- आईटी सिस्टम: इकाई के आईटी वातावरण और वित्तीय रिपोर्टिंग में आईटी सिस्टम की भूमिका को समझें।
- आईटी नियंत्रण: आईटी सामान्य नियंत्रण और अनुप्रयोग नियंत्रण की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने की योजना बनाएं।

## 10. कानूनी और नियामक आवश्यकताएँ

- अनुपालन: सुनिश्चित करें कि ऑडिट योजना प्रासंगिक कानूनी और नियामक आवश्यकताओं के अनुपालन पर विचार करती है।
- रिपोर्टिंग आवश्यकताएँ: नियामकों या अन्य हितधारकों द्वारा अनिवार्य किसी भी विशिष्ट रिपोर्टिंग आवश्यकताओं को पूरा करने की योजना।

## निष्कर्ष

संपूर्ण और कुशल ऑडिट करने के लिए प्रभावी ऑडिट योजना आवश्यक है। इकाई और उसके वातावरण को समझकर, जोखिमों का आकलन करके, भौतिकता स्तर निर्धारित करके, एक व्यापक ऑडिट रणनीति विकसित करके और संसाधनों को उचित रूप से आवंटित करके, ऑडिटर यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ऑडिट सभी प्रासंगिक क्षेत्रों को संबोधित करता है और वित्तीय विवरणों पर एक विश्वसनीय राय प्रदान करता है। उचित योजना प्रभावी संचार और समन्वय

की सुविधा भी प्रदान करती है, जिससे ऑडिट प्रक्रिया में मुद्दों को जल्दी पहचानने और हल करने में मदद मिलती है।

*Ravindra Kumar*

Associate Professor  
Department of Commerce  
Yogoda Satsanga Mahavidyalaya